न्यायालय उपखण्ड अधिकारी फूलियाकलां जिला भीलवाडा

बईजलास – श्री ओमप्रकाश, आर.ए.एस.
प्रकरण सं0 :– 12/2025
दायर दिनांक :– 02.01.2025

अनवान

1. रमेशचन्द्र पिता बालू लाल शर्मा नि. लखारों का मोहल्ला शाहपुरा तहसील शाहपुरा
2. राजाराम पिता बजरंगदास वैष्णव नि. उमा चौहान का खेडा, धनोप
3. शिवम पिता अजय सिंह टांक नि. अजमेर तहसील अजमेर

प्रार्थीगण.....

बनाम

तहसीलदार फूलियाकलां तहसील फूलियाकलां जिला भीलवाडा

अप्रार्थी.....

:: प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 (ए) आर. टी. एक्ट. ::

उपस्थित अभिभाषक
1. श्री योगेन्द्र सिंह भाटी, एडवोकेट प्रार्थीगण,

:: निर्णय :: दिनांक 11.09.2025

प्रकरण के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अधिवक्ता प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थनापत्र अन्तर्गत राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251 (क) की उपधारा (1) के अधीन अनुज्ञा के लिए दिनांक 02.01.2025 को प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुत प्रार्थनापत्र के अनुसार मौजा नई अरवड पटवार मण्डल नई अरवड तहसील फुलियाकलां स्थित खसरा संख्या 843/209, 842/209, 844/209 प्रार्थीगण के शामलाती खाते में सहखातेदारी अधिकारों में दर्ज अभिलिखित है, एवं प्रार्थीगण की खातेदारी खसरे में आवागमन का कोई स्थाई चिन्हीकरण/रास्ता उपलब्ध नही होने से पडौसीयों से मिन्नत करके अपने खसरान तक पहुंचना पडता है। प्रार्थीगण वर्षो से अप्रार्थीगण के सहखातेदारी खसरान में से होकर आता जाता रहा है, परन्तु अब अप्रार्थीगण द्वारा रूकावट/बाधा उत्पन्न किये जाने से प्रार्थी ने विपक्षी संख्या 01 की आराजी संख्या 211 में से नवीन रास्ता कायमी बाबत प्रकरण प्रस्तुत किया गया है। अंत में प्रार्थनापत्र प्रार्थी स्वीकार कराया जाकर प्रार्थीगण के खातेदारी खसरे में पहुंच हेतु अप्रार्थीगण के हक स्वामित्व की खसरान संख्या 211 में से 20 फिट नवीन रास्ता किस्म रास्ता दर्ज किये जाने की आज्ञा पारित कराये जाने की मांग की।

प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को दर्ज रजिस्टर किया जाकर अप्रार्थी की तलबी की गई। अप्रार्थी का नोटिस बाद तामील प्राप्त हुआ। जिसे शामिल पत्रावली किया गया।

प्रार्थीगण की आराजी न. 843/209, 842/209, 844/209 में पहुॅचने के लिए कोई वैकल्पिक रास्ता है या नही तथा वैकल्पिक रास्ता नही होने की स्थिति में मार्ग में आने वाली आराजी का रकबा एवं डी एल सी दर अनुसार जॉच कर तहसीलदार फूलियाकलां से रिपोर्ट ली गई। तहसीलदार फूलियाकलां ने जरिये पत्र दिनांक 26.08.2025 से रिपोर्ट भिजवाई, जिसे शामिल

उपखण्ड अधिकारी
फूलिया कलाँ, जिला–भीलवाड़ा

फाईल किया गया। तहसीलदार फूलियाकलां की रिपोर्ट अनुसार प्रार्थी की जोत तक पहुंचने के लिये वैकल्पिक रास्ता नही है। तथा प्रार्थीगण की जोत तक आने जाने के लिये लघुत्तम रास्ता खसरा नं. 211 में से रास्ता देने पर 0.2330 हैक्टेयर भूमि प्रभावित होगी। रिपोर्ट के साथ डी एल सी दर की प्रति संलग्न है।

वकील प्रार्थीगण की बहस सुनी गई। बहस के दौरान वकील प्रार्थीगण ने बताया कि प्रार्थी की जोत आ.न. 843/209, 842/209, 844/209 में आने जाने हेतु कोई वैकल्पिक रास्ता नही है। प्रार्थीगण को अपनी कृषि जोत के उपयोग हेतु रास्ते की आंत्यांतिक आवश्यकता है, अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार करा रास्ता राजस्व रेकार्ड में दर्ज कराना फरमावे।

वकील प्रार्थीगण की बहस पर मनन किया एवं पत्रावली में उपलब्ध रेकार्ड का अवलोकन किया गया। प्रकरण से संबधित विधिक प्रावधान निम्नानुसार है कि

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251–क एवं राजस्थान काश्तकारी (सरकार) नियम 1955, के नियम 68 लगायत 70 के उद्धरण से स्पष्ट है कि खातेदारों के बीच मामला पारस्परिक सहमति से तय नहीं होता है तो धारा 251–क के अन्तर्गत कोई खातेदार अपनी आराजी तक कृषि कार्य बाबत् आमद–रफत हेतु अन्य खातेदारों की आराजी में से होकर रास्ता रिकार्डेड अंकित करवा सकता है। इस हेतु उक्त राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251–क निम्न पूर्वशर्तो को आरोपित करती है जो इस प्रकार है–

1. खातेदार की रास्ते बाबत् अन्य रिकॉर्डेड रास्ते के विकल्प की अनुपस्थिति।
2. खातेदार की रास्ते बाबत् आत्यान्तिक आवश्यकता।
3. लघुत्तम दूरी का नवीन मार्ग के विकल्प का प्रस्ताव।

प्रार्थीगण अपने आ.न. 843/209, 842/209, 844/209 में आने जाने हेतु ख. न. 211 में से रास्ता चाहते है। तहसीलदार फूलियाकलां की रिपोर्ट अनुसार खसरा संख्या 211 राजकीय भूमि है। तथा मौके पर रास्ता वर्तमान में चालू है। वर्तमान में उक्त राजकीय भूमि में होकर आमजन आ जा सकता है। प्रार्थीगण भी अपने खेत तक आने जाने में इस सरकारी जमीन का उपयोग कर सकता है। अतः प्रार्थीगण की या खातेदार की रास्ते बाबत आत्यान्तिक आवश्यकता साबित नही होती है। अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र न्यायोचित नही होने से स्वीकार योग्य प्रतीत नहीं होता है।

अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए आर. टी. ए. अस्वीकार किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय आज दिनांक 11.09.2025 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(ओमप्रकाश)
उपखण्ड अधिकारी,
फूलियाकलां (भीलवाडा)

उपखण्ड अधिकारी
फूलियाकलां (भीलवाड़ा)